मैं तेरे शहर से कल चला जाऊंगा गीत लिरिक्स

मैं तेरे शहर से कल,
चला जाऊंगा,
फिर कभी लौट कर,
ना आऊंगा,
फिर कभी लौट कर,
ना आऊंगा,
मै तेरे शहर से कल,
चला जाऊंगा।bd।

देखे – हम तेरे शहर में आए है।

जख्म खाए है,
चाहते गुल में,
जख्म खाए है,
चाहते गुल में,
याद कांटो की.
भुला ना पाऊंगा,
फिर कभी लौट कर,
ना आऊंगा,
मै तेरे शहर से कल,
चला जाऊंगा।bd।

मुझको देखेगी,
रोज ख्वाबों में,
मुझको देखेगी,
रोज ख्वाबों में,
मैं खयालों में भी,
तेरे आऊंगा,
फिर कभी लौट कर,
ना आऊंगा,
मै तेरे शहर से कल,
चला जाऊंगा।bd।

हंस तो पाएंगे नहीं,
हम भी मगर,
हंस तो पाएंगे नहीं,
हम भी मगर

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हां तुझे भी,
बहुत रुलाऊंगा,
फिर कभी लौट कर,
ना आऊंगा,
मै तेरे शहर से कल,
चला जाऊंगा।bd।

हम से पूछेंगे,
कभी तो ये 'रफीक',
हम से पूछेंगे,
कभी तो ये 'रफीक',
तेरे बारे में,
क्या बताऊंगा,
फिर कभी लौट कर,
ना आऊंगा,
मै तेरे शहर से कल,
चला जाऊंगा।bd।

मैं तेरे शहर से कल,
चला जाऊंगा,
फिर कभी लौट कर,
ना आऊंगा,
फिर कभी लौट कर,
ना आऊंगा,
मै तेरे शहर से कल,
चला जाऊंगा।bd।

गायक – राजकुमार जी स्वामी।
लेखक – रफीक राजस्थानी।
प्रेषक – बजरंग सिंह कच्छावा।
बीकानेर 9928157513

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com